BACKGROUNDERS
Press Information Bureau
Government of India

वश्व जनसंख्या दिवस 2025

भारत के लए अगला बड़ा कदम: जनगणना 2027

11 *जुलाई 2025*

मुख्य बातें

- वश्व जनसंख्या दिवस 2025 का वषय है, "युवाओं को एक निष्पक्ष और उम्मीद भरी दुनिया में अपने मनचाहे परिवार बनाने के लए सशक्त बनाना।"[1]
- भारत में, बहुप्रती क्षत जनगणना वर्ष 2027 में होगी।
- जनगणना 2021 में प्रस्ता वत थी, ले कन को वड-19 के प्रकोप के कारण जनगणना कार्य स्थ गत कर दिया गया।
- मोबाइल ऐप और ऑनलाइन स्व-गणना के साथ पहली पूरी तरह से डजिटल जनगणना।
- सभी समुदायों के लए जाति गणना शा मल।
- पूरे भारत में 35 लाख क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं को प्र श क्षत कया जाएगा।
- कुशल डेटा प्रबंधन के लए केंद्रीय निगरानी पोर्टल और कोड निर्दे शका।
- दो चरणों में शुरू कया जाएगा: चरण 1 अर्थात मकान सूचीकरण और आवास गणना अप्रैल, 2026 से शुरू होगी। इसके बाद, चरण 2 अर्थात जनसंख्या गणना की जाएगी।

प्रस्तावना

वश्व जनसंख्या दिवस हर साल 11 जुलाई को मनाया जाता है। इस वर्ष का वषय है, "युवाओं को एक निष्पक्ष और उम्मीदों से भरी दुनिया में अपने मनचाहे परिवार बनाने के लए सशक्त

[1] https://www.unfpa.org/events/world-population-day

बनाना"।[2] भारत में युवा आबादी, भ वष्य के कार्यबल का निर्माण करने के लए तैयार है, जिसमें 65% लोग 35 वर्ष से कम आयु के हैं। 16 जून 2025 को, गृह मंत्रालय ने आ धकारिक तौर पर 2027 की जनगणना की अ धसूचना जारी की। भारतीय जनगणना भारत के लोगों की व भन्न वशेषताओं पर आधारित व भन्न सांख्यिकीय सूचनाओं का सबसे बड़ा एकल स्रोत है। 150 से अ धक वर्षों के इतिहास के साथ, यह वश्वसनीय, समय-परी क्षत प्र क्रया हर 10 सालों में जनसंख्या के आंकड़ों की वास्त वक जानकारी प्रदान कर रही है।

वर्ष 1872 से शुरू होकर, भारत के व भन्न भागों में अलग-अलग समय पर पहली जनगणना की गई। भारतीय जनगणना जनसांख्यिकी, अर्थशास्त्र, मानव वज्ञान, समाजशास्त्र, सांख्यिकी और कई अन्य वषयों के वद्वानों और शोधकर्ताओं के लए आँकड़ों का एक ज़रुरी स्रोत रही है। भारत के लोगों की समृद्ध व वधता, असल में दशकीय जनगणना से ज़ाहिर होती है, जो भारत को समझने और उसका अध्ययन करने का एक अहम साधन है।[3]

प्राचीन बुनियाद और प्रारं भक आधुनिक जनगणना

भारत में जनगणना कराने की एक लंबी और समृद्ध परंपरा रही है। देश में जनगणना कराने का सबसे पहला उल्लेख कौटिल्य के **'अर्थशास्त्र'** **(**321-296 ईसा पूर्व) और बाद में सम्राट अकबर के वक्त में अब्दुल फजल की रचना 'आइन-ए-अकबरी' में मलता है।

भारत में पहली आधुनिक जनसंख्या जनगणना 1865 और 1872 के बीच हुई, हालाँ क यह सभी इलाकों में एक साथ नहीं हुई थी। भारत ने अपनी पहली समन्वित जनगणना 1881 में की थी।[4]

आज़ादी के बाद का वकास (1951-2011)

क्या आप जानते हैं**?**
अगली जनगणना देश की 16वीं जनगणना होगी और आज़ादी के बाद की 8वीं जनगणना होगी

जनगणना गाँव, कस्बे और वार्ड स्तर पर प्राथ मक आँकड़ों का सबसे बड़ा स्रोत है, जो आवास की स्थिति, सु वधाएँ और संप त्तयाँ, जनसांख्यिकी, धर्म, अनुसू चत जाति और अनुसू चत जनजाति,

[2] https://www.unfpa.org/events/world-population-day
[3] https://censusindia.gov.in/census.website/node/325
[4] https://www.pib.gov.in/newsite/erelcontent.aspx?relid=91509

भाषा, साक्षरता और शक्षा, आ थर्क गति व ध, प्रवासन और प्रजनन क्षमता सहित व भन्न मानदंडों पर सूक्ष्म स्तर के आँकड़े मुहैया कराती है। जनगणना अ धनियम, 1948 और जनगणना नियम, 1990 जनगणना के संचालन के लए कानूनी ढाँचा प्रदान करते हैं।[5]

Technology used and time taken for data processing, 1961-2011

Item/Census Year	1961	1971	1981	1991	2001	2011
Population (in Million)	439	548	683	846	1028	1210
% of field Data Collection	100	100	100	100	100	100
% of Data Digitized	5	15	25	45	100	100
Data capture & Digitization Method	Hand Punch	Key Punch	Offline Data Entry	PC Based Data Entry	Scanning ICR	Scanning ICR
Time Taken for Digitization/ Processing	5-10 Years	5-10 Years	5-10 Years	5-10 Years	3-7 Years	2-8 Years

ICR: Intelligent Character Recognition is used to extract handwritten text from images.
CAPI: Computer-Assisted Personal Interviewing refers to survey data collection by an in-person interviewer.

Source: A Treatise on Indian Censuses Since 1981, Census of India

क्या आप जानते हैं**?**

1951 की जनगणना - पहली गुणवत्ता जाँच: जनगणना की सटीकता का आकलन करने के लए क्षेत्रों की दोबारा जाँच का काम कया गया। इसके ज़रिए यह सत्या पत करने का पहला प्रयास कया गया क गणना वास्तव में कतनी सही थी।

1961 की जनगणना - सांस्कृतिक भंडार: ग्रामीण शल्प, मेलों, त्योहारों और सामाजिक तथा व्यावहारिक वज्ञान सर्वेक्षणों पर व्यापक अध्ययन कए गए, जिससे जनगणना संगठन, भारत के सबसे बड़े समाजशास्त्रीय सूचना बैंक में बदल गया।

---

[5] https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1597350

यांत्रिक क्रांति: कुंजी पंच, सत्यापनकर्ता, सॉर्टर और टेबुलेटर सहित यांत्रिक सारणीकरण उपकरणों का उपयोग करने वाली पहली जनगणना, जिसने स्वचा लत डेटा प्रसंस्करण की दिशा में भारत का पहला कदम चह्नित कया।
1971 की जनगणना- प्रवासन मैं पंग: लोगों के अंतिम निवास स्थान पर डेटा एकत्र करके आंतरिक प्रवासन को व्यवस्थित रूप से ट्रैक करने वाली पहली जनगणना, जो भारत के जनसंख्या आंदोलन पैटर्न में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करती है।
1971 की जनगणना - स्थानीय वकल्प अनुसंधान: प्रत्येक राज्य के जनगणना संचालन निदेशक को अपनी पसंद का एक वशेष अध्ययन करने की अनुमति दी गई, जिससे जनगणना, क्षेत्रीय अनुसंधान आवश्यकताओं के प्रति अ धक संवेदनशील हो गई।

1991 तक, केवल 45% डेटा को ही डजिटल कया जा सकता था, हालाँ क, 2001 और 2011 की जनगणनाओं में, आईसीआर तकनीक ने क्षेत्रों से एकत्र कए गए सभी डेटा को डजिटल करना संभव बना दिया।

1981-2011 की जनगणना के प्रमुख बिंदु

Population Characteristics in India

1981-2011

Census Year	Households (in million)	Population (in million)	Literacy Rate (in %)	Sex Ratio (No. of females per 1000 Males)	Urban Population as share of Total Population (In %)
1981	118	683	43.1	934	23.1
1991	157	846	51.6	926	25.5
2001	194	1028	64.8	933	27.8
2011	250	1210	73.0	943	31.1

Source: A Treatise on Indian Censuses Since 1981, Census of India

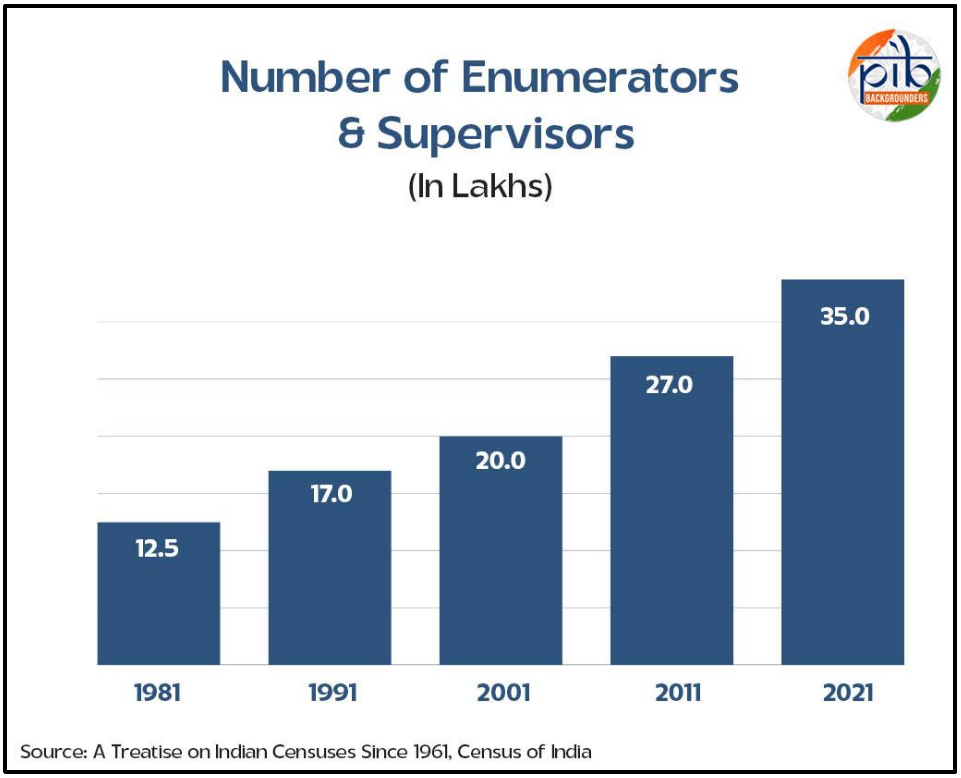

2011 की जनगणना: प्रमुख निष्कर्ष और नवाचार

1872 के बाद से 2011 की जनगणना 15वीं और स्वतंत्रता के बाद सातवीं जनगणना थी।[6] जनगणना 2011 के कार्यों की जटिलता और पैमाना इस प्रकार है:

• बहुभाषी संचालन: जनगणना अनुसू चयों का सर्वेक्षण 16 व भन्न भाषाओं में कया गया।

• बड़े पैमाने पर मुद्रण की आवश्यकता: इस कार्य के लए राष्ट्रव्यापी संचालन हेतु करीब 5.4 म लयन अनुदेश पुस्तिकाओं और 340 म लयन जनगणना अनुसू चयों के मुद्रण की ज़रुरत थी।

• व्यापक मानव संसाधन: देश भर में जनगणना गति व धयों को अंजाम देने के लए 2.7 म लयन प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का एक कार्यबल लगाया गया था।

• भौगो लक कवरेज: जनगणना कार्य निम्न ल खत क्षेत्रों में फैला हुआ था:

  - 35 राज्य और केंद्र शा सत प्रदेश
  - 640 जिले
  - 5,924 उप-जिले

[6] https://www.pib.gov.in/newsite/erelcontent.aspx?relid=91509

- 7,933 कस्बे
- 6.41 लाख गाँव

• अद्वितीय एकीकरण: जनगणना 2011 में एक विशेष दृष्टिकोण अपनाया गया, जिसमें राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) की तैयारी के लिए अनुसूचियों को, मकान सूचीकरण अनुसूचियों के साथ-साथ तैयार किया गया, जिससे यह एक व्यापक जनसांख्यिकीय अभ्यास बन गया।

• संभार-तंत्र संबंधी उपलब्धि: भारत के विविध भौगोलिक और भाषाई परिदृश्य में इतने बड़े पैमाने पर संचालन के समन्वय के पैमाने और जटिलता ने, जनगणना के लिए इस्तेमाल की गई मशीनरी की संगठनात्मक क्षमताओं को प्रदर्शित किया।[7]

हाउस लिस्टिंग शेड्यूल क्या है?
मकान सूचीकरण अनुसूची और आवास जनगणना कार्यों का मकसद प्रत्येक भवन/जनगणना मकान की पहचान करना तथा जनगणना मकान की गुणवत्ता, उसमें उपलब्ध सुविधाओं का पता लगाना तथा उन जनगणना मकानों में रहने वाले परिवारों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का आकलन करना है।

राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर क्या है?
राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर एक रजिस्टर है, जिसमें किसी गाँव या ग्रामीण क्षेत्र या कस्बे या वार्ड या कस्बे या शहरी क्षेत्र के वार्ड के भीतर सीमांकित क्षेत्र में रहने वाले व्यक्तियों का विवरण होता है।

जनगणना 2011 के प्रमुख जनसांख्यिकीय निष्कर्ष

• कुल जनसंख्या: 1.21 अरब, जिसमें 1 मार्च, 2011 तक पुरुषों की संख्या 623.2 मिलियन और महिलाओं की संख्या 587.6 मिलियन थी।
• जनसंख्या वृद्धि: 2001-2011 के दशक के दौरान 18**2** मिलियन की वृद्धि।
• 2011 में बाल लिंगानुपात प्रति हजार पुरुषों पर 91**8** महिलाएं थीं।
• 2011 में भारत का जनसंख्या घनत्व 382 प्रति वर्ग किमी था, दशकीय वृद्धि 17.7 प्रतिशत।

[7] https://www.pib.gov.in/newsite/erelcontent.aspx?relid=91509

• देश में साक्षरता दर **73.0** प्रतिशत है, जिसमें पुरुषों की साक्षरता दर **80.9** और महिलाओं की **64.6** प्रतिशत है। केरल ने 93.91 प्रतिशत साक्षरता दर के साथ शीर्ष पर रहकर अपना स्थान बरकरार रखा, इसके बाद लक्षद्वीप (91.8 प्रतिशत) और मजोरम (91.3 प्रतिशत) का स्थान रहा।[8]

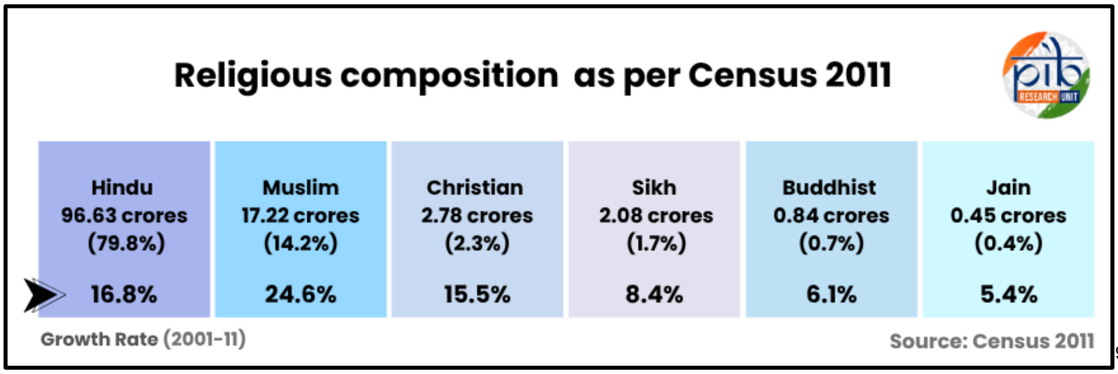

[9]

सामाजिक-आ थक एवं जाति जनगणना (एसईसीसी) 2011

ग्रामीण वकास मंत्रालय द्वारा संचा लत, एसईसीसी-2011, ग्रामीण और शहरी परिवारों की सामाजिक-आ थक स्थिति और पूर्वनिर्धारित मानदंडों के आधार पर परिवारों की रैं कंग का एक अध्ययन था। ग्रामीण क्षेत्रों में जनगणना ग्रामीण वकास वभाग द्वारा, शहरी क्षेत्रों में आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा और जाति जनगणना गृह मंत्रालय द्वारा भारत के महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त के ज़रिए की गई।

एसईसीसी-2011 का मकसद साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण, कल्याणकारी योजनाओं के ल क्षत क्रयान्वयन और व भन्न सरकारी कार्यक्रमों के लाभा थयों की प्रभावी पहचान को सक्षम बनाना था। इसमें जाति गणना शा मल थी, ले कन जाति/जनजाति/धर्म के नाम सार्वजनिक रूप से साझा नहीं कए गए थे।[10]

सामाजिक आ थक जाति जनगणना 2011 एक अनूठी कागज़रहित जनगणना थी, जिसमें गणना के लए 6.4 लाख से ज़्यादा इलेक्ट्रॉनिक हैंडहेल्ड उपकरणों का इस्तेमाल कया गया

---

[8] https://knowindia.india.gov.in/profile/census.php
[9] https://www.pib.gov.in/newsite/printrelease.aspx?relid=126326
[10] https://secc.gov.in/

था। इस अभूतपूर्व प्र क्रया ने मज़बूत शकायत निवारण तंत्र का प्रदर्शन कया, जिसमें 99.7% समाधान दर के साथ 1.24 करोड़ दावों और आप त्तयों का निपटारा कया गया।[11]

जनगणना 2027 में क्रांतिकारी बदलाव

जाति गणना

आज़ादी के बाद पहली बार, 2027 की जनगणना में सभी समुदायों की जाति गणना शा मल होगी। आज़ादी के बाद से अब तक की गई सभी जनगणनाओं से जाति को बाहर रखा गया है। कुछ राज्यों ने अलग-अलग पारद र्शता और उद्देश्य के साथ जाति सर्वेक्षण कए हैं, जिससे राजनीतिकरण की चंताएँ बढ़ रही हैं। सामाजिक समरसता की रक्षा के लए, जाति गणना को अलग सर्वेक्षण के बजाय मुख्य जनगणना में ही शा मल करने का निर्णय लया गया है।[12]

डजिटल परिवर्तन

जनगणना 2027 भारत की पहली पूर्णतः डजिटल जनगणना के रूप में एक क्रांतिकारी बदलाव लेकर आ रही है। सरकार ने कई तकनीकी नवाचारों की घोषणा की है-

- डेटा संग्रह के लए पहली बार मोबाइल ऐप्स का उपयोग।
- बहुभाषी समर्थन के साथ जनगणना निगरानी एवं प्रबंधन पोर्टल।
- जनगणना के दोनों चरणों के लए जनता के लए ऑनलाइन स्व-गणना।
- डेटा प्रसंस्करण को सुव्यवस्थित करने के लए कोड निर्दे शका।
- राष्ट्रीय/राज्य संस्थानों के ज़रिए **35** लाख क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं का प्र शक्षण।
- अंतर्निहित सत्यापन जांच तंत्र

परिचालन ढाँचा

जनगणना दो अलग-अलग चरणों में आयोजित की जाएगी:

[11] https://www.pib.gov.in/newsite/PrintRelease.aspx?relid=122963
[12] https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2125526

• केंद्र शा सत प्रदेश लद्दाख और केंद्र शा सत प्रदेश जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बर्फीले क्षेत्रों को छोड़कर, जनगणना के लए संदर्भ ति थ 1 मार्च, 2027 को 00:00 बजे (मध्यरात्रि 12 बजे) होगी।

• केंद्र शा सत प्रदेश लद्दाख और केंद्र शा सत प्रदेश जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बर्फीले क्षेत्रों के लए, संदर्भ ति थ 1 अक्टूबर, 2026 को 00:00 बजे (मध्यरात्रि 12 बजे) होगी।[13]

निष्कर्ष

ऐसे में जब भारत 2027 की जनगणना की तैयारी कर रहा है, राष्ट्र एक ऐतिहा सक मोड़ पर खड़ा है, जहाँ वर्षों से चली आ रही अखंड जनगणना परंपरा, क्रांतिकारी डजिटल परिवर्तन से जुड़ रही है। यह अभूतपूर्व प्र क्रया के तहत, आज़ादी के बाद पहली बार व्यापक जाति गणना, मोबाइल ऐप-आधारित डेटा संग्रह और ऑनलाइन स्व-गणना सु वधाओं की शुरुआत हो रही है, जो भारत के इतिहास में सबसे महत्वाकांक्षी जनसांख्यिकीय कार्यक्रम की नुमाइंदगी करता है। 2027 की जनगणना न केवल बड़े पैमाने पर जनसंख्या अभ्यास के लए नए वैश्विक मानक स्था पत करेगी, बल्कि समावेशी शासन और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण के लए आधार शला का भी काम करेगी, ता क ये सुनिश्चित हो सके क डजिटल युग में भारत की व वध जनसंख्या का सटीक प्रतिनि धत्व हो।

संदर्भ

जनगणना भारत

- A Treatise on Indian Censuses Since 1981 https://censusindia.gov.in/ebook/Com_Eng/mobile/index.html#p=1
- https://censusindia.gov.in/census.website/node/325
- https://censusindia.gov.in/nada/index.php/catalog/45572
- https://censusindia.gov.in/census.website/node/343

राष्ट्रपति स चवालय:

- https://www.pib.gov.in/newsite/erelcontent.aspx?relid=91509

कैबिनेट:

- https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1597350

[13] https://censusindia.gov.in/nada/index.php/catalog/45572

गृह मंत्रालय:

- https://www.pib.gov.in/newsite/PrintRelease.aspx?relid=80811
- https://www.pib.gov.in/newsite/printrelease.aspx?relid=126326

वत्त मंत्रालय:

- https://www.pib.gov.in/newsite/PrintRelease.aspx?relid=122963
- https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2125526

अन्य:

- https://knowindia.india.gov.in/profile/census.php
- https://secc.gov.in/
- https://www.unfpa.org/events/world-population-day

एमजी/आरपीएम/केसी/एनएस